आज का मौसम

अधिकतम 34° C
न्यूनतम 29° C
सूर्य अस्त (आज) 7:15
सूर्य उदय (कल) 5:39

दैनिक समाचार पत्र

जीत समाचार

जीत सच्ची खबर की

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश

अनमोल वचन

"सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति देर से ही सही, लेकिन सफलता और सम्मान अवश्य प्राप्त करता है।"

वर्ष : 13 | अंक : 308 | मूल्य : 2 रू | पृष्ठ : 8 | रविवार 26 जुलाई 2026 | RNI NO : PUNHIN/2013/60106 | www.zeetsamachar.com

संक्षिप्त न्यूज

दिल्ली मेट्रो के सभी 18 स्टेशन फिर खुले, यात्रियों को मिली बड़ी राहत

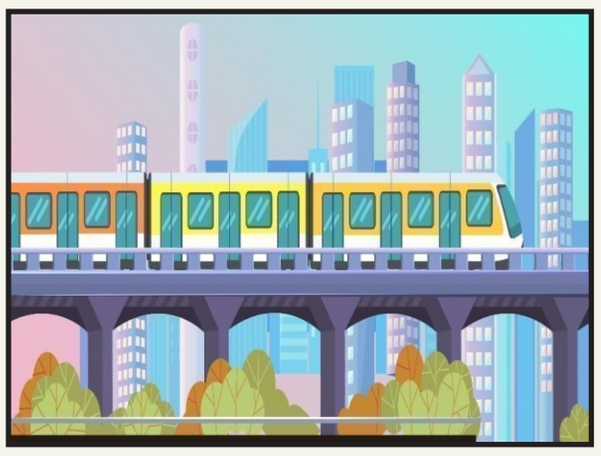

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो नेटवर्क के सभी स्टेशन अब यात्रियों के लिए दोबारा खोल दिए गए हैं। इससे पहले सुरक्षा कारणों के चलते दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने 18 मेट्रो स्टेशनों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था।

बंद किए गए स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, केंद्रीय सचिवालय, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम, झंडेवालन और नई दिल्ली स्टेशन शामिल थे।

डीएमआरसी ने अब सभी स्टेशनों को यात्रियों के लिए खोल दिया है, जिससे मेट्रो सेवाएं पूरी तरह सामान्य हो गई हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले आवश्यक अपडेट पर नजर रखें और सुरक्षा निर्देशों का पालन करें।

भारत के लिए ऐतिहासिक गौरव: सारनाथ यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल

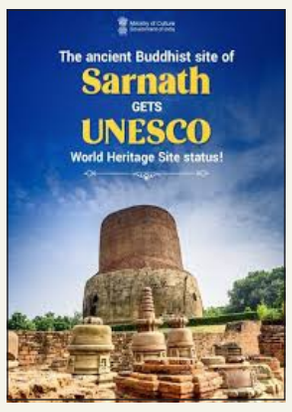

नई दिल्ली। भारत के प्राचीन बौद्ध तीर्थ स्थल सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कर लिया गया है। इसे भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए इसे देश के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर कहा कि सारनाथ शांति, ज्ञान और करुणा का शाश्वत प्रतीक है तथा यह भारतीय सभ्यता के गहरे आध्यात्मिक और दार्शनिक योगदान को पूरी दुनिया के सामने प्रस्तुत करता है।

षेखावत ने कहा कि यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में सारनाथ का शामिल होना इस बात की वैश्विक मान्यता है कि भारत सदियों से ज्ञान, विचार और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मान भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक पहचान दिलाएगा तथा देश की ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण और पर्यटन को भी नई गति मिलेगी।

नीट विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिया इस्तीफा, बोले- युवाओं के हित में लिया फैसला

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। नीट-यूजी परीक्षा विवाद के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना त्यागपत्र सौंपते हुए कहा कि राष्ट्रसेवा उनके जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किए गए विस्तृत संदेश में उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान हर स्तर पर जिम्मेदारी निभाई और देश के युवाओं के हितों को हमेशा सर्वोपरि रखा।

छात्रों और शिक्षा सुधार के प्रति समर्पण का किया उल्लेख : धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संदेश में कहा कि वह चार दशक से अधिक समय से छात्र हित, शिक्षकों के सशक्तिकरण और शिक्षा सुधार के लिए कार्य करते रहे हैं। उनका मानना है कि सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही एक मजबूत राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का सम्मान किया है।

नीट-यूजी विवाद पर सरकार की कार्रवाई का किया जिक्र : प्रधान ने कहा कि 3 मई को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में अनियमितताओं की जानकारी सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंपी, परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया और पुनर्परीक्षा की नई तिथि घोषित की। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष से परीक्षा को सीबीटी (कंप्यूटर आधारित टेस्ट) मोड में कराने का भी फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता 20 लाख से अधिक छात्रों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा सुनिश्चित करना रही।

जिम्मेदारी स्वीकार करने की बात दोहराई : धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि उन्होंने पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी पहले दिन से स्वीकार की और कभी इससे पीछे नहीं हटे। उनका उद्देश्य था कि परीक्षा माफिया की वजह से किसी भी मेधावी छात्र का भविष्य प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि 16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे और इसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के कई छात्रों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विरोध प्रदर्शनों के बीच लिया इस्तीफे का निर्णय : उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शनों सहित पिछले कुछ दिनों की घटनाओं ने उन्हें गहरा दुख पहुंचाया। उनके अनुसार यह केवल उनके व्यक्तिगत सम्मान का प्रश्न नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रविरोधी ताकतें इस मुद्दे का लाभ न उठा सकें और छात्रों का भविष्य किसी कानूनी विवाद में न उलझे, इसी उद्देश्य से उन्होंने प्रधानमंत्री को अपना इस्तीफा सौंपने का फैसला किया।

प्रधानमंत्री और सहयोगियों का जताया आभार : धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन, विश्वास और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने मंत्रिपरिषद के सहयोगियों, शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ अपने सभी सहयोगियों का भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा उनके जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य है और वह भविष्य में भी ओडिशा की जनता, देश के युवाओं और भारत माता की सेवा के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करते रहेंगे।

पेपर लीक विवाद के बीच धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मंजूर, प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, संविधान के अनुच्छेद 75(2) के तहत उनका इस्तीफा मंजूर किया गया।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री की सलाह पर केंद्रीय कैबिनेट मंत्री प्रल्हाद जोशी को उनके मौजूदा मंत्रालयों के साथ-साथ शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

धर्मेंद्र प्रधान ने हालिया पेपर लीक विवाद के बीच केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा दिया। उन्होंने कहा कि उनका यह निर्णय छात्रों के हितों की रक्षा करने और देश के युवाओं को 'भ्रम के जाल' में फंसने से बचाने के उद्देश्य से लिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे अपने इस्तीफा पत्र में धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि वह छात्रों और देश के व्यापक हित को सर्वोपरि मानते हुए अपने पद से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार शिक्षा व्यवस्था में सुधार और युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने के लिए अपने प्रयास लगातार जारी रखेगी।

असम बाढ़ त्रासदी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जताया शोक, कहा- पूरा देश पीड़ितों के साथ

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने असम में आई भीषण बाढ़ से हुई जानमाल की हानि और व्यापक तबाही पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए इस प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के शीघ्र सुरक्षित होने की कामना की।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी अपने संदेश में कहा कि उनकी संवेदनाएं बाढ़ से प्रभावित सभी परिवारों के साथ हैं। उन्होंने राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों में जुटे सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और आपदा प्रबंधन कर्मियों के सुरक्षित रहने और सफलतापूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन करने की भी कामना की।

राष्ट्रपति ने कहा कि इस कठिन समय में पूरा देश असम के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राहत और पुनर्वास कार्यों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में जल्द सामान्य स्थिति बहाल की जाएगी।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद बना समाधान, सीजेपी ने आंदोलन समाप्त करने का किया ऐलान

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद केंद्र सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बीच सहमति बन गई है। इसके बाद सीजेपी ने अपना राष्ट्रव्यापी आंदोलन तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का ऐलान किया। पार्टी ने सोशल मीडिया मंच श्एक्सश पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि सरकार ने उसकी प्रमुख मांगों पर सहमति जताई है।

सरकार ने प्रमुख मांगें स्वीकार करने का दावा : सीजेपी के अनुसार, सरकार ने नीट परीक्षा विवाद से जुड़ी उसकी प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। पार्टी का कहना है कि नीट पेपर लीक प्रकरण के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को अधिकतम संभव मुआवजा देने का निर्णय लिया गया है।

आंदोलन से जुड़े मामलों में राहत : पार्टी ने दावा किया कि केंद्र सरकार और एनडीए शासित राज्यों में आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर वापस ली जाएंगी। साथ ही भविष्य में इस आंदोलन में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई नया मामला दर्ज नहीं किया जाएगा।

परीक्षा सुधारों पर होगी चर्चा : सीजेपी ने कहा कि सरकार उसके 5 सूत्रीय परीक्षा सुधार चार्टर पर विचार करेगी। परीक्षा प्रणाली में सुधारों को लेकर आगे की रणनीति तय करने के लिए पार्टी के प्रतिनिधिमंडल और सरकार के बीच अलग से बैठक आयोजित की जाएगी।

तीन दौर की वार्ता के बाद बनी सहमति : सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने बताया कि सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन दौर की बातचीत के बाद सहमति बनी। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन के दौरान पार्टी की तीन प्रमुख मांगें थीं।केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, आंदोलन से जुड़े प्रदर्शनकारियों और आयोजकों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर की वापसी तथा भविष्य में किसी भी आंदोलनकारी के खिलाफ नई कानूनी कार्रवाई नहीं किए जाने की गारंटी।

मुआवजे की मांग का भी किया जिक्र : रांका ने बताया कि पार्टी ने यह भी मांग रखी थी कि नीट पेपर लीक प्रकरण के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के साथ उनकी पहली मांग पूरी हो गई है। वहीं, दूसरी मांग के तहत दिल्ली सहित भाजपा और सहयोगी दलों की सरकार वाले राज्यों में दर्ज मामलों को वापस लेने की प्रक्रिया जल्द शुरू किए जाने पर भी सरकार ने सहमति जताई है।

सीजेपी ने कहा कि सरकार के साथ बनी सहमति के बाद राष्ट्रव्यापी आंदोलन तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जा रहा है, जबकि परीक्षा सुधारों को लेकर आगे भी सरकार के साथ संवाद जारी रहेगा.

डीआरआई का बड़ा एक्शन: 27 किलो से ज्यादा विदेशी सोना जब्त, तस्करी गिरोह के 12 सदस्य गिरफ्तार

संवाद न्यूज एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 27 किलोग्राम से अधिक विदेशी मूल का सोना जब्त किया है। इस अभियान के दौरान 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, डीआरआई ने खुफिया जानकारी के आधार पर इस सप्ताह देश के विभिन्न हिस्सों में एक साथ कई अभियान चलाए। इन कार्रवाइयों में तस्करी के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ और भारी मात्रा में विदेशी सोना बरामद किया गया।

मुंबई में डीआरआई अधिकारियों ने इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा से आए तीन यात्रियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से करीब 12 किलोग्राम वजन के विदेशी मूल के छह सोने के बिस्कुट बरामद किए गए।

वहीं, उत्तर प्रदेश में ब्रह्मपुत्र मेल में यात्रा कर रही एक महिला यात्री को लगभग पांच किलोग्राम वजन के 42 विदेशी मूल के सोने के बिस्कुट के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि यह सोना बांग्लादेश के रास्ते भारत में तस्करी कर लाया गया था।

इसके अलावा मुंबई, कोलकाता, कोच्चि और गुवाहाटी में भी डीआरआई ने अलग-अलग अभियान चलाए, जिनमें आठ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। डीआरआई पूरे तस्करी नेटवर्क और इसके अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जांच में जुटी है।

गोलीबारी के बाद पहली बार कॉरेस्पोडेंट्स डिनर में पहुंचे ट्रंप, बोले- लोकतंत्र में जवाब गोलियों से नहीं, बहस से दिया जाता है

संवाद न्यूज एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गोलीबारी की घटना के बाद पहली बार व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में हिस्सा लिया। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने अगले वर्ष भी इस परंपरा का हिस्सा बनने की घोषणा की और लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मतभेदों का समाधान गोलियों से नहीं, बल्कि खुली और मजबूत बहस से होना चाहिए।

कार्यक्रम में मौजूद सैकड़ों पत्रकारों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य मेहमानों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि वह अगले वर्ष भी व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर में शामिल होंगे। उनके इस ऐलान का उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया।

अपने संबोधन में ट्रंप ने अप्रैल में डब्ल्यूएचसीए के डिनर के दौरान हुई गोलीबारी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह हमला लोकतंत्र पर सीधा हमला था, लेकिन कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सतर्कता से हमलावर को समय रहते काबू कर लिया गया।

ट्रंप ने कहा, हम राजनीतिक हिंसा के सामने कभी नहीं झुकेंगे। लोकतंत्र में हमारे मतभेदों का समाधान गोलियों से नहीं, बल्कि खुली और मजबूत बहस के जरिए होता है।

उन्होंने फायरिंग में घायल हुए सीक्रेट सर्विस अधिकारी विक्टर गोंजालेज, सीक्रेट सर्विस, मेट्रोपॉलिटन पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। ट्रंप ने कहा कि गोंजालेज ने असाधारण साहस का परिचय दिया और पूरा देश उनके प्रति कृतज्ञ है। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने खड़े होकर सुरक्षा कर्मियों का सम्मान किया।

राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि गोलीबारी की घटना के बाद उन्हें डिनर के लिए तैयार किया गया अपना मूल और अधिक आक्रामक भाषण बदलना पड़ा। उन्होंने कहा कि परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने अपने संबोधन का स्वर संयमित रखा।

करीब एक घंटे के भाषण में ट्रंप ने मीडिया के कुछ वर्गों की आलोचना भी की, लेकिन व्हाइट हाउस प्रेस कोर के काम की सराहना करते हुए कहा कि अधिकांश पत्रकार ईमानदारी से अपना दायित्व निभाते हैं। उन्होंने व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट और डब्ल्यूएचसीए की अध्यक्ष वेइजिया जियांग की भी प्रशंसा की तथा आने वाली अध्यक्ष जैकी हेनरिक को बधाई दी।

भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए ट्रंप ने सुझाव दिया कि आगे चलकर व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर का आयोजन व्हाइट हाउस परिसर में बन रहे नए बॉलरूम में किया जा सकता है। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने कहा कि अमेरिका एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और यह अमेरिका का स्वर्ण युग है।

जंतर-मंतर: लोकतंत्र की आवाज को सुनना ही लोकतंत्र की असली ताकत

लोकतंत्र केवल मतदान तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता की आवाज को सम्मानपूर्वक सुनने और उसका समाधान खोजने की निरंतर प्रक्रिया है।

नई दिल्ली का जंतर-मंतर वर्षों से देश की लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक रहा है। किसानों से लेकर छात्रों, कर्मचारियों, महिलाओं, पूर्व सैनिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों तक-जब भी किसी वर्ग को अपनी बात सरकार तक पहुँचाने की आवश्यकता महसूस हुई, जंतर-मंतर ने उन्हें अपनी आवाज बुलंद करने का मंच दिया। यह स्थान केवल धरना-प्रदर्शन का केंद्र नहीं, बल्कि लोकतंत्र में नागरिकों की भागीदारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रतीक है।

हाल के दिनों में जंतर-मंतर पर हुए आंदोलनों और उनके दौरान सामने आए घटनाक्रम ने कई गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। क्या जनता की समस्याओं का समाधान समय रहते संवाद के माध्यम से नहीं हो सकता? क्या हर महत्वपूर्ण मुद्दे पर लोगों को सड़कों पर उतरना ही अंतिम विकल्प बनता जा रहा है? ये प्रश्न केवल सरकारों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे लोकतांत्रिक तंत्र के लिए विचारणीय हैं।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की नींव है। लेकिन इसके साथ यह जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि विरोध-प्रदर्शन शांतिपूर्ण, अनुशासित और कानून के दायरे में रहें। किसी भी प्रकार की हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान या कानून-व्यवस्था को चुनौती देना लोकतांत्रिक आंदोलन की भावना को कमजोर करता है।

उधर प्रशासन और सरकार की भी यह जिम्मेदारी है कि वे विरोध कर रहे नागरिकों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में न देखें। लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं होती, बल्कि बेहतर शासन की दिशा में एक आवश्यक प्रतिक्रिया होती है। यदि सरकार जनता की बात धैर्यपूर्वक सुनती है और समय पर संवाद स्थापित करती है, तो कई विवाद बिना टकराव के सुलझाए जा सकते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संवाद को प्राथमिकता मिले। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद, सहमति और संवेदनशीलता में निहित है। यदि सरकार और नागरिक एक-दूसरे के दृष्टिकोण को समझने का प्रयास करें, तो अधिकांश समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण ढंग से संभव है। टकराव कभी स्थायी समाधान नहीं देता, जबकि विश्वास और बातचीत नई राह खोलते हैं।

जंतर-मंतर की पहचान केवल विरोध के मंच के रूप में नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीवंतता के प्रतीक के रूप में बनी रहनी चाहिए। यह वह स्थान है जहाँ से उठने वाली हर आवाज हमें यह याद दिलाती है कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और उसकी बात सुनना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का पहला दायित्व है।

जीत समाचार की राय

लोकतंत्र की असली परीक्षा तब होती है, जब सत्ता और जनता के बीच मतभेद उत्पन्न होते हैं। ऐसे समय में संयम, संवाद और संवैधानिक मूल्यों का पालन ही सबसे बड़ा समाधान है। सरकार को चाहिए कि वह जनता की बात खुले मन से सुने, और प्रदर्शनकारियों को भी अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है और यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत बनाए रखने का सबसे प्रभावी मार्ग है।

कमल पवार

आज की प्रमुख हस्ती

बच्चों में मोबाइल का बढ़ता दुरुपयोग: ज्ञान से अधिक मनोरंजन की ओर बढ़ते कदम

अजय कुमार
(एम.ए. राजनीति शास्त्र एवं बी. एड)
जिला काँगड़ा हिमाचल प्रदेश

आज का युग डिजिटल तकनीक का युग है। मोबाइल फोन ने शिक्षा, संचार और जानकारी प्राप्त करने के अनेक नए अवसर प्रदान किए हैं। यदि इसका सही उपयोग किया जाए, तो यह बच्चों के लिए ज्ञान का एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। कोरोना महामारी के दौरान अहनलाइन कक्षाओं और घर से पढ़ाई की आवश्यकता के कारण बच्चों के हाथों में मोबाइल और अन्य डिजिटल उपकरण बड़ी संख्या में पहुँचे। उस समय यह शिक्षा का आवश्यक साधन था, लेकिन महामारी समाप्त होने के बाद भी अनेक बच्चों में मोबाइल के अत्यधिक उपयोग की आदत बनी रही।

आज अधिकांश बच्चे मोबाइल का उपयोग पढ़ाई और सीखने की अपेक्षा मनोरंजन, ऑनलाइन गेम, शॉर्ट वीडियो और सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने के लिए कर रहे हैं। यह स्थिति अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के लिए चिंता का विषय बन चुकी है।मोबाइल का अत्यधिक उपयोग बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आँखों की समस्या, नींद में कमी, एकाग्रता में गिरावट और शारीरिक गतिविधियों में कमी जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। कई बच्चे परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने के बजाय आभासी दुनिया में अधिक व्यस्त रहने लगे हैं। इससे उनके व्यवहार, अध्ययन और व्यक्तित्व पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

विडंबना यह है कि जिस मोबाइल में विश्वभर का ज्ञान उपलब्ध है, उसका उपयोग बहुत कम बच्चे सीखने के लिए करते हैं। यदि प्रतिदिन कुछ समय शैक्षिक वीडियो, ई-पुस्तकों, विज्ञान, भाषा, सामान्य ज्ञान और नई तकनीकों को सीखने में लगाया जाए, तो मोबाइल एक उत्कृष्ट शिक्षक बन सकता है। दुर्भाग्य से अधिकांश समय मनोरंजन में ही व्यतीत हो जाता है।

इस समस्या का समाधान केवल बच्चों से अपेक्षा करने से नहीं होगा। अभिभावकों और शिक्षकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम की उचित सीमा तय करनी चाहिए, पढ़ाई, खेल-कूद और पारिवारिक गतिविधियों के बीच संतुलन बनाना चाहिए तथा उन्हें मोबाइल का सकारात्मक और रचनात्मक उपयोग सिखाना चाहिए। साथ ही, बड़े भी स्वयं जिम्मेदारी से मोबाइल का उपयोग कर बच्चों के सामने अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करें।

मोबाइल न तो पूरी तरह अच्छा है और न ही बुरा। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि हम उसका उपयोग किस उद्देश्य से करते हैं। यदि बच्चे मोबाइल को ज्ञान, रचनात्मकता और कौशल विकास का साधन बनाएँ, तो वही तकनीक उनके उज्ज्वल भविष्य का आधार बन सकती है। लेकिन यदि इसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग जारी रहा, तो यह उनके बचपन, शिक्षा और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है।

आज आवश्यकता मोबाइल छोड़ने की नहीं, बल्कि मोबाइल का सही, संतुलित और उद्देश्यपूर्ण उपयोग सीखने और सिखाने की है। यही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी कुंजी है।

महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर (भारत)

1. आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (पुलिस, फायर, और एंब्युलेंस)

112	आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली (पुलिस, फायर, और एंब्युलेंस)	104	स्वास्थ्य हेल्पलाइन (Health Helpline/Medical Advice)
100	पुलिस (Police)	1915	पर्यटन हेल्पलाइन (Tourist Helpline)
101	फायर ब्रिगेड (Fire Brigade)	1930	साइबर अपराध (Cyber Crime)
102 / 108	एम्बुलेंस सेवा (Ambulance)	139	रेलवे पूछताछ / सुरक्षा (Railway Enquiry / Security)
1091	महिला हेल्पलाइन (Women Helpline)	1363	पर्यटन हेल्पलाइन (Tourist Helpline)
1098	चाइल्ड हेल्पलाइन (Child Helpline)	1033	सड़क दुर्घटना या राष्ट्रीय राजमार्ग आपातकाल (Road Accident / National Highway Emergency)
		14567	बुजुर्ग हेल्पलाइन (Elder Line)
		1551	किसान कॉल सेंटर (Kisan Call Center)
		1906	गैस सिलेंडर (LPG) रिसाव या आपातकाल (LPG Gas Leak / Emergency)

2. राज्य / बिजली बोर्ड हेल्पलाइन नंबर (टोल-फ्री)

राज्य	हेल्पलाइन नंबर (टोल-फ्री)	वैकल्पिक संपर्क नंबर / वैबसाइट
हिमाचल प्रदेश (HPSEBL)	1912	1800-180-8060 | www.hpseb.in
उत्तर प्रदेश (UPPCL / अन्य)	1912	1800-180-8752 | www.uppcl.org
दिल्ली (BSES/TPDDL)	1912	वेबसाइट के माध्यम से चैटबॉट सपोर्ट www.bsesdelhi.com / www.tatapower-ddl.com
पंजाब (PSPCL)	1912	1800-180-1512 | www.pspcl.in
हरियाणा (DHBVN/UHBVN)	1912	1800-180-1833 | www.dhbvn.org.in / www.uhbvn.com
मध्य प्रदेश (MPPKVVCL)	1912	1800-233-1266, WhatsApp: 9425807257 www.mpez.co.in
उत्तराखंड (UPCL)	1912	1800-419-0405 | www.upcl.org

3. राज्यवार जल हेल्पलाइन नंबर

राज्य / विभाग	हेल्पलाइन नंबर	विवरण / वेबसाइट
केंद्रीय / राष्ट्रीय	1800-121-2164	जल जीवन मिशन का टोल-फ्री नंबर | www.jaljeevanmission.gov.in
हिमाचल प्रदेश (स्थानीय)	1800-180-8009, 1100	जल शक्ति विभाग (SNK), शिकायत निवारण केंद्र
दिल्ली	1916	दिल्ली जल बोर्ड (24x7) | www.delhijalboard.nic.in
उत्तर प्रदेश	1076	सीएम हेल्पलाइन (CM Helpline) | www.up.gov.in
बिहार	1800-123-1121	पीएचईडी (PHED) पेयजल शिकायत | www.prdbihar.gov.in
राजस्थान	1800-180-6088	जलदाय विभाग (PHED) | www.jalday.rajasthan.gov.in
मुख्यमंत्री हेल्पलाइन (सभी राज्य)	181 या 1902	सभी राज्यों की शिकायत और जानकारी के लिए

4. राज्यवार परिवहन (बस) हेल्पलाइन नंबर

राज्य / निगम	हेल्पलाइन नंबर	विवरण / उपयोग
हिमाचल प्रदेश (HRTC)	1100, 1800 180 8185	24/7 हेल्पलाइन, पूछताछ और शिकायत निवारण
दिल्ली (DTC)	011-22968836	आईएसबीटी (ISBT) पूछताछ
उत्तर प्रदेश (UPSRTC)	149, 1800 1800 151	24/7 टोल-फ्री सुविधा
राजस्थान (RSRTC)	181	मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता
चंडीगढ़ (CTU)	1800 274 7400	टोल फ्री नंबर

इन हेल्पलाइन नंबरों को सेव करें और जरूरत पड़ने पर उपयोग करें। यह आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

जीत समाचार
दैनिक समाचार पत्र
जीत सच्ची ख़बर की

मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक : कमल पवार द्वारा 11368, पवित्र नगर, वालिया कालोनी हैबोवाल कलां, लुधियाना से प्रकाशित एंव जीत लुधियाना प्रिंटर्स हैबोवाल लुधियाना से मुद्रित।

सम्पादक : कमल पवार इस अंक मे प्रकाशित एंव समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा उत्पन्न समस्त विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होगे।

R.N.I NO. PUN/HIN/2013/60106

Contact us :- +91-98030-25111.

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत गुरुग्राम ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स में हुआ पौधारोपण

गुरुग्राम । ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स, गुरु-ग्राम में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर प्रकृति संरक्षण के इस पुनीत अभियान में सहभागिता की गई।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने वाली एक प्रेरणादायी पहल है। यह अभियान हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराते हुए मां के सम्मान और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित पर्यावरण के निर्माण का संदेश देता है।

इस अवसर पर पौधारोपण करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया और लोगों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक पौधे लगाएं तथा उनकी देखभाल भी सुनिश्चित करें।

संदेश दिया गया कि हर एक पौधा प्रकृति की सुरक्षा, मां के सम्मान और आने वाले भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुट्टी मंगल खां गांव के तालाब को वेटलैंड के रूप में विकसित करने की संभावनाओं का लिया जायजा

जीत समाचार ब्यूरों हांसी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के महानिदेशक एवं राज्य वेटलैंड प्राधिकरण के सदस्य सचिव प्रभजोत सिंह ने शनिवार को हांसी उपमंडल के गांव पुट्टी मंगल खां का दौरा कर गांव के तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब को संभावित वेटलैंड (आर्द्रभूमि) के रूप में विकसित किए जाने की संभावनाओं का अवलोकन किया।

दौरे के दौरान महानिदेशक ने संबंधित अधिकारियों से तालाब की वर्तमान स्थिति, प्राकृतिक संसाधनों और संरक्षण की संभावनाओं के बारे में जानकारी ली।

इस अवसर पर गांव निवासी अनिल सैनी ने प्रभजोत सिंह के समक्ष गांव के तालाब को वेटलैंड क्षेत्र घोषित करने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि यह तालाब पर्यावरण संरक्षण, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और जैव विविधता संरक्षण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने तालाब को वेटलैंड का दर्जा देकर इसके संरक्षण एवं विकास के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया।

महानिदेशक प्रभजोत सिंह ने मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए जिला स्तरीय कमेटी को निर्देश दिए कि वह निर्धारित मानकों के अनुसार स्थल का विस्तृत सर्वेक्षण और मूल्यांकन कर जल्द रिपोर्ट प्रस्तुत करे। उन्होंने कहा कि कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

चित्र- पुट्टी मंगल खां गांव में तालाब का निरीक्षण करते पर्यावरण विभाग के महानिदेशक प्रभजोत सिंह।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। वेटलैंड जल संरक्षण, भूजल स्तर बनाए रखने के साथ-साथ प्रवासी पक्षियों, जलीय जीवों और अन्य वन्य प्राणियों के लिए प्राकृतिक आवास उपलब्ध करवाते हैं।

प्रभजोत सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि तालाब की स्वच्छता, संरक्षण और प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। साथ ही वेटलैंड से जुड़े सभी निर्धारित मानकों का गंभीरता से अध्ययन कर समयबद्ध रिपोर्ट तैयार की जाए।

किसान की मेहनत का सम्मान और हरियाणा की कृषि शक्ति का उत्सव है मैंगो मेला - श्याम सिंह राणा

जीत समाचार हरियाणा/ लाडवा। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि मैंगो मेला किसानों की मेहनत का सम्मान और प्रदेश की कृषि शक्ति का उत्सव है। भारत की दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गांव, किसान और कृषि क्षेत्र सबसे बड़ी ताकत हैं।

कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा लाडवा स्थित उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय 8वें मैंगो मेले के समापन समारोह में

बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। उन्होंने कहा कि हरियाणा के किसान अपनी मेहनत और नई तकनीकों को अपनाकर कृषि क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रहे हैं।

इस अवसर पर कृषि मंत्री ने केंद्र की नर्सरी का निरीक्षण किया और पौधे तैयार करने की आधुनिक विधियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से फल उत्पादन बढ़ाने और किसानों को बेहतर गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध करवाने से संबंधित व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की।

श्याम सिंह राणा ने उप उष्णकटिबंधीय फल केंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कृषि के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

मैंगो मेले में किसानों, बागवानी विशेषज्ञों और कृषि क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भाग लिया। मेले के माध्यम से आम सहित अन्य फलों की उन्नत किस्मों, आधुनिक बागवानी तकनीकों और किसानों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी गई।

जीत समाचार एक्सक्लूसिव : मनीष सिसोदिया का 'वो' पुराना वादा बना गले की फांस: पंजाब फार्मेसी घोटाले पर गरमाई सियासत, विपक्ष ने मांगा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

जीत समाचार चंडीगढ़ । पंजाब में बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा आयोजित फार्मेसी ऑफिसर भर्ती परीक्षा में हुए हाई-टेक पेपर लीक और नकल घोटाले ने राज्य की सियासत में भूचाल ला दिया है। इस मामले में अब आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया का एक पुराना बयान पंजाब सरकार के लिए बड़ी मुसीबत बन गया है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे इस वीडियो में सिसोदिया ने दावा किया था, अगर पंजाब में पेपर लीक होगा, तो हम तुरंत वहां के मंत्री को उनके ओहदे से बर्खास्त कर देंगे

इस बयान को ढाल बनाकर अब समूचे विपक्ष ने मुख्यमंत्री भगवंत मान और शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

जंतर-मंतर पर घिरे सिसोदिया, चुप्पी पर उठे सवाल : यह सियासी ड्रामा उस वक्त और दिलचस्प हो गया जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर मनीष सिसोदिया छात्रों के एक प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे। वहां मौजूद पंजाब के कुछ जागरूक युवाओं ने सिसोदिया को उनके पुराने वादे की

याद दिलाते हुए सीधे सवाल दाग दिए। छात्रों ने पूछा कि जब पंजाब में फार्मेसी परीक्षा के पेपर 3.5 लाख से 13 लाख रुपये में बेचे गए और जुराबों-पगड़ियों में ब्लूटूथ छुपाकर नकल कराई गई, तो अब तक पंजाब के शिक्षा मंत्री पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? चश्मदीदों के मुताबिक, इस तीखे सवाल पर सिसोदिया कोई सीधा जवाब नहीं दे सके और वहां कुछ देर के लिए असहज करने वाली खामोशी छा गई।

विपक्ष का चौतरफा हमला: 'कथनी और करनी का अंतर : 'कांग्रेस का आरोपरू पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भगवंत मान सरकार के कार्यकाल में यह चौथा बड़ा पेपर लीक या परीक्षा घोटाला है। वड़िंग ने कहा, आप सरकार दिल्ली में तो राष्ट्रीय परीक्षाओं में गड़बड़ी पर केंद्रीय मंत्री का इस्तीफा मांगती है, लेकिन अपने राज्य के घोटालों पर पर्दा डाल रही है।

'भाजपा की मांग: भाजपा नेता मंजिंदर सिंह सिरसा ने भी चंडीगढ़ और दिल्ली से बयान जारी कर कहा कि अगर 'आप' में थोड़ी भी राजनीतिक नैतिकता बची है, तो मनीष सिसोदिया के वादे के मुताबिक शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को तुरंत कैबिनेट से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

सरकार के भीतर बढ़ी हलचल : 'जीत समाचार' को सचिवालय के उच्च पदस्थ सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस विवाद के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली आलाकमान के बीच पिछले 24 घंटों में कई दौर की गुप्त मंत्रणा हुई है। पार्टी के भीतर एक धड़ा इस बात के पक्ष में है कि नैतिक आधार पर कड़ी कार्रवाई का संदेश दिया जाए, जबकि दूसरा धड़ा इसे विपक्ष की सियासी साजिश बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश में है।

पंजाब के लाखों बेरोजगार युवाओं के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर अब सबकी नजरें मुख्यमंत्री भगवंत मान पर टिकी हैं कि क्या वे अपने दल के सबसे बड़े वादे को निभाएंगे या विपक्ष के हमलों के बीच चुप्पी साधे रखेंगे।

मानवाधिकारों की रक्षा के लिए हर जिले में बने कोर ग्रुप: पद्म श्री जतिंदर सिंह शांति

जीत समाचार लुधियाना। पंजाब स्टेट और चंडीगढ़ ह्यूमन राइट्स कमीशन के सदस्य पद्म श्री जतिंदर सिंह शांति ने लुधियाना में आयोजित 'ओपन हियरिंग कैंप' की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि कमीशन हर नागरिक के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और लोगों को न्याय दिलाना इसकी मुख्य प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि मानवाधिकारों की रक्षा और लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए पंजाब के सभी जिलों में 10 से 15 सदस्यों के कोर ग्रुप बनाए गए हैं। इन ग्रुपों में वकील, डॉक्टर, रिटायर्ड अधिकारी और समाज के जागरूक लोग शामिल हैं।

पद्म श्री जतिंदर सिंह शांति ने कहा कि जागरूकता कैंपों के कारण अब लोग बड़ी संख्या में अपनी शिकायतें आयोग तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले जहां रोजाना 10–15 शिकायतें आती थीं, वहीं अब यह संख्या बढ़कर करीब 500 तक पहुंच गई है। लोग व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 98554–75547 पर भी अपनी शिकायतें भेज सकते हैं।

उन्होंने कहा कि अस्पतालों को बकाया बिल के कारण किसी मरीज की डेड बॉडी रोकने की अनुमति नहीं है। साथ ही 20 से अधिक बेड वाले अस्पतालों में मोर्चरी और एंबुलेंस सुविधा होना जरूरी है।

उन्होंने गैर-कानूनी इमिग्रेशन सेंटरों पर कार्रवाई की बात कही और बताया कि विदेश भेजने के नाम पर लोगों से ठगी करने वालों पर शिकंजा कसा जा रहा है। सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए इंश्योरेंस, सुरक्षा उपकरण और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाने पर भी जोर दिया गया।

कैंप के दौरान स्वास्थ्य, पुलिस, नगर परिषद और अन्य विभागों के अधिकारियों को मानवाधिकारों से जुड़े दिशा-निर्देश दिए गए। सिविल अस्पताल की सुविधाओं जैसे ऑक्सीजन प्लांट, लैब, ब्लड बैंक, मोर्चरी और एंबुलेंस सेवाओं की समीक्षा भी की गई।

पद्म श्री जतिंदर सिंह शांति ने एनजीओ से अपील की कि वे मानवाधिकार आयोग की 'आंख और कान' बनकर समाज की समस्याओं को सामने लाने में सहयोग करें। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की कि अगर किसी के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है तो वह आयोग से संपर्क कर न्याय प्राप्त कर सकता है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को प्रभबीर बराड़ ने बताया युवा शक्ति की जीत

जीत समाचार ब्यूरों चंडीगढ़। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर च्न्छैन्द के चेयरमैन प्रभबीर बराड़ ने इसे देश के युवाओं और जनरेशन जेड की बड़ी जीत बताया है।

प्रभबीर बराड़ ने बयान जारी कर कहा कि यह केवल एक मंत्री का इस्तीफा नहीं, बल्कि उन लाखों युवाओं के संघर्ष का परिणाम है, जो पेपर लीक जैसी घटनाओं से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा व्यवस्था में खामियों के कारण कई छात्रों और उनके परिवारों को मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी।

उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं ने अपनी आवाज बुलंद की है और सरकार को उनकी समस्याओं पर ध्यान देने के लिए मजबूर किया है। बराड़ ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि युवाओं के हितों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि नई पीढ़ी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है।

उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में सुरक्षित है और सच व न्याय की लड़ाई में हमेशा जनता की जीत होती है। उन्होंने सभी छात्रों, युवाओं और जनरेशन जेर्ड को इस मौके पर बधाई दी।

Samuh Samaj Sangathan (Regd.)
2007 to Update
अभी नहीं तो कभी नहीं
मानवता की रक्षा एवं सुरक्षित रखने का मौका।
सच्चाई से देश सेवा।

समूह समाज संगठन **2007** से जरूरतमंद लोगों की हमेशा से मदद करता आया है। यह तभी संभव होता है जब आप सभी लोग हमारे संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होते है। आज की मुसीबत के समय में राशन और डेली जरूरत की सामग्री मस्क, सेनिटाइजर आदि इकठ्ठा करना जितना मुश्किल है। उससे मुश्किल इस सामग्री को बटना और लोगो तक पहुंचाना है।

किसी को हमारे संगठन के होते घबराने की जरूरत नहीं है हमारे संगठन के वॉलंटियर्स आपकी सेवा में हाजिर है। सम्पर्क करें।

9803025111,9872081907,7696420000,98721 77784,8427566893

भगेड़ में 26 जुलाई से शुरू होगा ओपन कबड्डी टूर्नामेंट, मंत्री राजेश धर्माणी करेंगे शुभारंभ

जीत समाचार ब्यूरों बिलासपुर। नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी 26 जुलाई को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भगेड़ में आयोजित ओपन कबड्डी टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ करेंगे।

सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मंत्री राजेश धर्माणी सुबह 9:40 बजे भगेड़ पहुंचकर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन करेंगे। टूर्नामेंट में क्षेत्र की विभिन्न टीमें हिस्सा लेंगी और खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।

प्रवक्ता ने बताया कि इसके बाद 28 जुलाई को सुबह 11 बजे राजेश धर्माणी खंड विकास अधिकारी कार्यालय घुमारवीं में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में आगामी सीर महोत्सव की तैयारियों को लेकर चर्चा की जाएगी।

बैठक के उपरांत मंत्री घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का दौरा कर विकास कार्यों और स्थानीय गतिविधियों का जायजा लेंगे।

विधायक केवल सिंह पठानिया ने बोह आपदा प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

जीत समाचार ब्यूरों धर्मशाला। शाहपुर के विधायक एवं हिमाचल प्रदेश सरकार के उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने शनिवार को लगातार तीसरे दिन आपदा प्रभावित बोह क्षेत्र का दौरा किया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हाल जाना।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आपदा प्रभावित लोगों के साथ मजबूती से खड़ी है और राहत एवं पुनर्वास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।

विधायक ने कांगड़ा-चंबा सीमा पर स्थित शाहपुर विधानसभा के अंतिम गांव लाम में पहुंचकर भूस्खलन से हुए नुकसान का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों की जरूरतों का आकलन कर प्राथमिकता के आधार पर सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है।

उपायुक्त हेमराज बैरवा ने बताया कि बोह आपदा में जिन विद्यार्थियों के शैक्षणिक दस्तावेज, अंकपत्र या प्रमाण पत्र नष्ट हो गए हैं, उन्हें दोबारा जारी करवाने के लिए जिला प्रशासन संबंधित शिक्षा बोर्ड से समन्वय कर मदद करेगा, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

इस दौरान अधिकारियों ने राहत एवं पुनर्वास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। मौके पर मुख्य अरण्यपाल बासु कौशल, डीएफओ अमित शर्मा सहित जिला प्रशासन और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

आईटीआई सुंदरनगर में कैंपस प्लेसमेंट, मारुति सुजुकी ने 190 प्रशिक्षुओं का किया चयन

जीत समाचार ब्यूरों सुंदरनगर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (पीडब्ल्यूडी), सुंदरनगर में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, गुजरात की ओर से कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इसमें 190 प्रशिक्षुओं का चयन किया गया।

इस भर्ती अभियान में संस्थान सहित विभिन्न सरकारी और निजी आईटीआई के कुल 210 प्रशिक्षुओं ने हिस्सा लिया। कंपनी की ओर से लिखित परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार के बाद 190 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया। चयनित उम्मीदवार मेडिकल फिटनेस प्रक्रिया पूरी करने के बाद कंपनी में सेवाएं देंगे।

प्लेसमेंट प्रक्रिया का संचालन कंपनी के एचआर मैनेजर नवीन यादव और उनकी टीम ने किया। उन्होंने प्रशिक्षुओं की भागीदारी और आईटीआई सुंदरनगर में दिए जा रहे तकनीकी प्रशिक्षण की सराहना की।

संस्थान के प्रधानाचार्य विजय चौधरी ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आईटीआई का उद्देश्य युवाओं को बेहतर तकनीकी शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना है। उन्होंने कंपनी अधिकारियों, प्लेसमेंट टीम और संस्थान के स्टाफ का सहयोग के लिए आभार जताया।

जल शक्ति विभाग में 4000 पदों पर होगी भर्ती -मुकेश अग्निहोत्री

जीत समाचार ऊना। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि जल शक्ति विभाग में इस वित्त वर्ष करीब 4000 पदों पर भर्ती की जाएगी। उन्होंने कहा कि पर्याप्त कर्मचारियों के बिना योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सकता।

हरोली के पालकवाह में जल शक्ति विभाग की कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विभाग को मजबूत करने और युवाओं को रोजगार देने के लिए लगातार काम कर रही है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पेयजल गुणवत्ता सुधारने के लिए करीब 2000 करोड़ रुपये की योजना लागू की जाएगी, जिसके तहत आधुनिक जल शुद्धिकरण तकनीकें स्थापित की जाएंगी।

मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि कांगड़ा की फिना सिंह सिंचाई परियोजना के लिए 300 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। उन्होंने नशे के खिलाफ सरकार की सख्ती का जिक्र करते हुए कहा कि नशे से जुड़े मामलों में 36 कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त किया जा चुका है।

इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले जल शक्ति विभाग के कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। उन्होंने कर्मचारियों से बेहतर सेवाएं देकर जनता का विश्वास बनाए रखने का आह्वान किया।

सुन्नी को मिलेगी 25 करोड़ की पेयजल योजना, एक माह में होगी शुरू- विक्रमादित्य सिंह

जीत समाचार शिमला/सुन्नी। लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि सुन्नी क्षेत्र के विकास को तेज गति दी जा रही है और लोगों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

सुन्नी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने बताया कि करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से बन रही सुन्नी पेयजल योजना का 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और अगले एक महीने के भीतर इसे जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, परिवहन और अन्य विकास कार्यों को समय पर पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। सुन्नी बस डिपो को जल्द ही 10 नई इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध करवाई जाएंगी, जिससे लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा मिलेगी।

विक्रमादित्य सिंह ने बताया कि सुन्नी-लूहरी सड़क मार्ग के विस्तार के लिए 30 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। इस परियोजना से सड़क को चौड़ा, सुरक्षित और बेहतर बनाया जाएगा। वहीं, थली पुल की मरम्मत के लिए 10 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं और काम जारी है।

उन्होंने बताया कि सुन्नी क्षेत्र में करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से मल निकासी परियोजना शुरू की जाएगी, जिसके टेंडर जारी हो चुके हैं। मंत्री ने कहा कि सुन्नी में बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण किया जाएगा, जिसके लिए केंद्र सरकार के शहरी विकास मंत्रालय के माध्यम से 25 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा हनुमान मंदिर के पास एसी लाइब्रेरी का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

इससे पहले विक्रमादित्य सिंह ने लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों के सहयोग से कई समस्याओं का मौके पर समाधान करवाया। उन्होंने सुन्नी बाजार में आयोजित शांतिपूर्ण सामाजिक मार्च में भी भाग लिया।

इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष शिमला ग्रामीण हरी कृष्ण हिमराल, पंचायत समिति अध्यक्ष कौशल्या, नगर पंचायत सुन्नी अध्यक्ष सत्या वर्मा, एसडीएम सुन्नी राजेश वर्मा सहित कई अधिकारी और कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

26 जुलाई
कारगिल विजय दिवस
आज का जीत समाचार
जय हिन्द्र! जय भारत!
पराक्रम, साहस और बलिदान की अमर गाथा
कारगिल की दुर्गम चोटियों पर भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस, शौर्य और अटूट संकल्प का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा की और तिरंगा फहराया।
कारगिल युद्ध: एक ऐतिहासिक जीत
जुलाई 1999 में पाकिस्तान की घुसपैठ का भारतीय सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब।
18,000 फीट से अधिक ऊँचाई पर लड़ी गई लड़ाई, अत्यंत कठिन परिस्थितियों में हासिल की विजय।
527 वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की आन-बान-शान की रक्षा की।
26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल की चोटियों पर विजय प्राप्त की।
उन वीरों को शत-शत नमन, जिनके बलिदान से हमारा आज सुरक्षित है।
भारत माता की जय!
अमर जवान
हमारा तिरंगा, हमारा अभिमान
कारगिल विजय, हर हिन्दुस्तानी का सम्मान!
आइए, कारगिल के वीर शहीदों को याद करें और उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर
एक मजबूत, एकजुट और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का संकल्प लें।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर सेलेब्स की प्रतिक्रिया, प्रियंका चोपड़ा से विजय वर्मा तक छात्रों के समर्थन में आए सितारे

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। नीट पेपर लीक मामले को लेकर लंबे समय से चल रहे छात्र आंदोलन के बीच कई बॉलीवुड कलाकारों और फिल्मी हस्तियों ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कई सेलेब्स ने इसे छात्रों के संघर्ष की जीत बताया, जबकि कुछ ने शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग उठाई।

अभिनेता प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह उन सभी लोगों की जीत है, जिन्होंने छात्रों के साथ खड़े होकर आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने आंदोलन से जुड़े लोगों को बधाई देते हुए कहा कि संगठित जनआंदोलन किसी भी सरकार को जवाबदेह बना सकता है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री का इस्तीफा देशभर में छात्रों के लंबे विरोध प्रदर्शन और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल के बाद आया है। उन्होंने इसे आंदोलन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

वहीं अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने सोशल मीडिया पर आंदोलन से जुड़े एक वीडियो को साझा करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी, जबकि अभिनेत्री श्वेता तिवारी ने भी शिक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर टिप्पणी की।

इस बीच अभिनेता विजय वर्मा समेत कई अन्य कलाकारों ने भी छात्रों के आंदोलन और शिक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की आवश्यकता पर अपनी राय व्यक्त की।

नीट पेपर लीक को लेकर जारी था आंदोलन

नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्र लंबे समय से विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। आंदोलनकारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद की ओर निकाले गए मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल की घटनाओं के बाद मामला और अधिक चर्चा में आ गया था।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद सोशल मीडिया पर आंदोलन से जुड़े वीडियो और प्रतिक्रियाएं तेजी से वायरल हो रही हैं। वहीं, इस पूरे घटनाक्रम ने शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा सुरक्षा और जवाबदेही को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर नई बहस छेड़ दी है।

'जो डर गया, वो मर गया' सलमान खान ने हेटर्स को दिया करारा जवाब, वायरल पोस्ट से मचाई हलचल

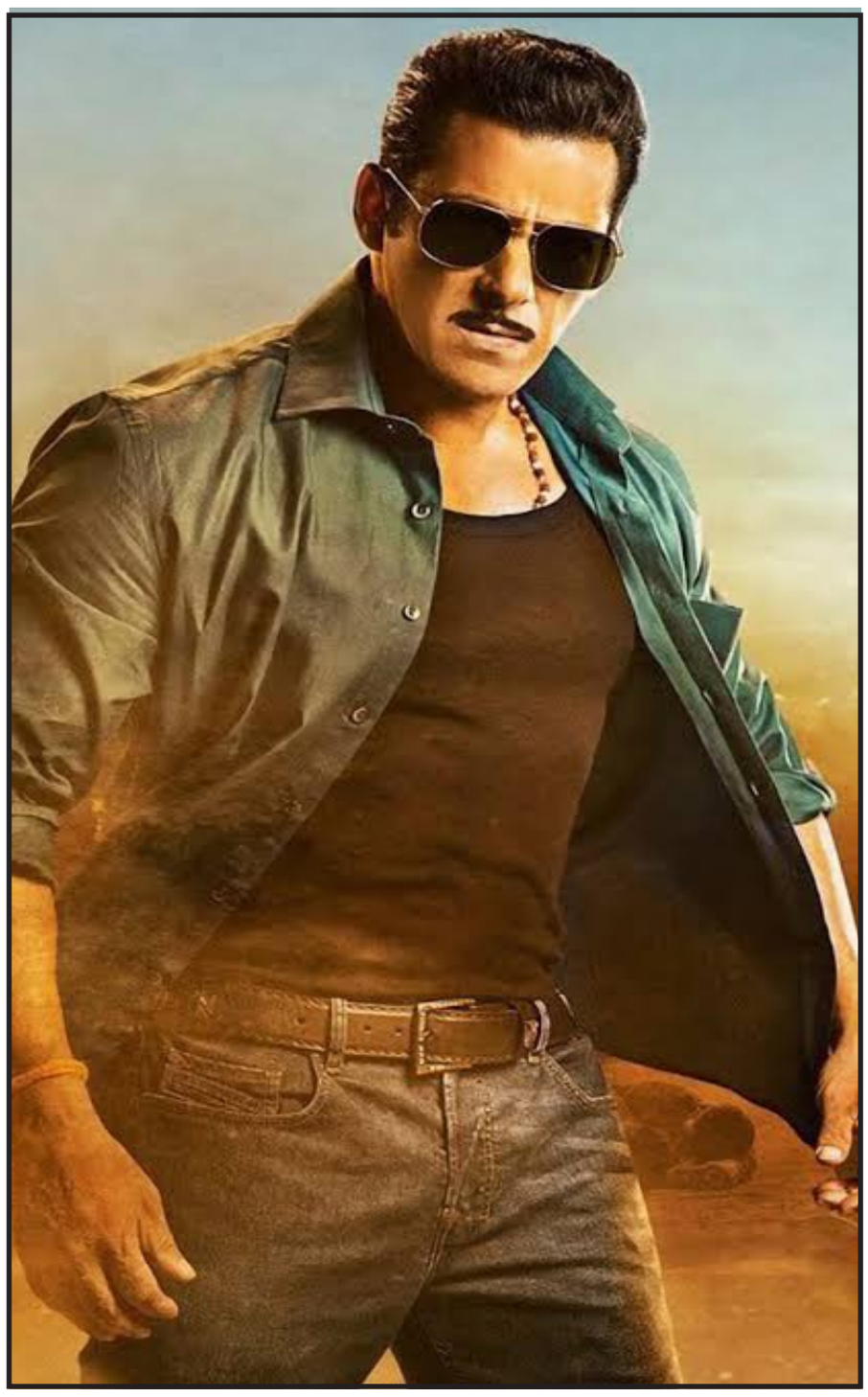

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान एक बार फिर अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में शेयर की गई उनकी नई तस्वीरों ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। तस्वीरों में सलमान जिम में अपनी फिट बॉडी फ्लॉन्ट करते नजर आ रहे हैं। इसके साथ उन्होंने ऐसा कैप्शन लिखा, जिसे फैंस उनके आलोचकों को करारा जवाब मान रहे हैं।

सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में चेहरे को तौलिये से ढका हुआ है और कैप्शन में लिखा, 'सलमान खान डर गया... हम्म... जो डर गया, वो मर गया।' पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई और फैंस ने इसे उनके हेटर्स को दिया गया जवाब बताया।

उम्र को लेकर हुई थी ट्रोलिंग

कुछ समय पहले एक सार्वजनिक कार्यक्रम का सलमान खान का वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उनकी उम्र और फिटनेस को लेकर टिप्पणियां की थीं। कई यूजर्स ने दावा किया था कि अभिनेता अब पहले जैसे नहीं रहे। हालांकि, नई तस्वीरों में उनकी फिटनेस देखकर फैंस का कहना है कि सलमान ने अपने अंदाज में सभी आलोचनाओं का जवाब दे दिया है।

फैंस ने की जमकर तारीफ

सलमान खान की पोस्ट पर फैंस लगातार सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोगों ने उनकी फिटनेस और आत्मविश्वास की सराहना की, जबकि कुछ ने लिखा कि अभिनेता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह अब भी बहलीवुड के सबसे फिट सितारों में शामिल हैं।

'बिग बॉस 20' को लेकर भी चर्चा

सलमान खान इन दिनों अपने आगामी प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ 'बिग बॉस 20' को लेकर भी सुर्खियों में हैं। माना जा रहा है कि वह एक बार फिर शो की मेजबानी करते नजर आएंगे, जिसे लेकर उनके प्रशंसकों में काफी उत्साह है।

रॉक म्यूजिक जगत को बड़ा झटका, 'सिक ऑफ इट ऑल' के लीड सिंगर लू कोलर का 59 वर्ष की उम्र में निधन

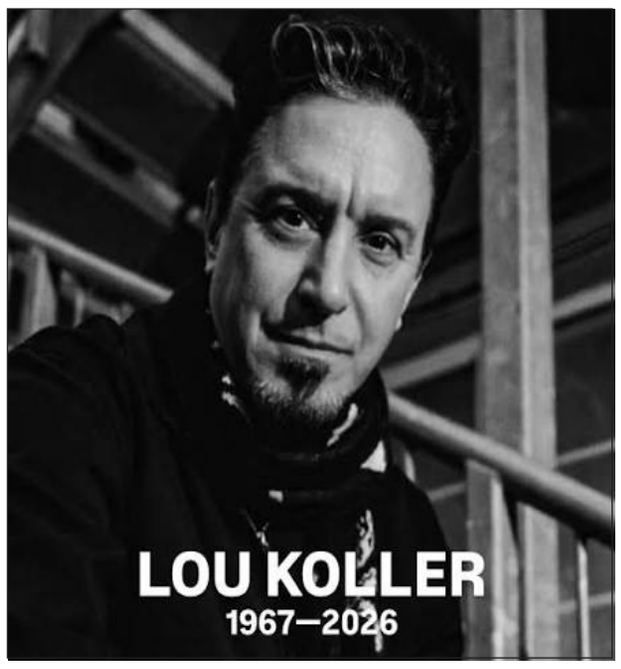

अंतरराष्ट्रीय रॉक म्यूजिक जगत से दुखद खबर सामने आई है। मशहूर हार्डकोर रॉक बैंड 'सिक ऑफ इट ऑल'के मुख्य गायक लू कोलर का 59 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह पिछले दो वर्षों से कैंसर से जूझ रहे थे। उनके निधन की जानकारी बैंड ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा कर दी।

दो साल तक कैंसर से लड़ी जंग : बैंड के अनुसार, वर्ष 2024 में लू कोलर की भोजन नली (इसोफेगस) में ट्यूमर का पता चला था। इसके बाद उनका इलाज शुरू हुआ और उन्हें अपने सभी म्यूजिक टूर व लाइव कॉन्सर्ट रद्द करने पड़े। लंबे इलाज के बावजूद वह बीमारी को मात नहीं दे सके।

1986 में की थी बैंड की शुरुआत : लू कोलर ने 1986 में न्यूयॉर्क के क्वींस में अपने भाई पीट कोलर और दोस्तों के साथ मिलकर 'सिक ऑफ इट ऑल' बैंड की स्थापना की थी। समय के साथ यह बैंड हार्डकोर और रॉक म्यूजिक की दुनिया में एक प्रतिष्ठित नाम बन गया।

40 साल पूरे होने से पहले दुनिया को कहा अलविदा : इस वर्ष बैंड अपने गठन के 40 वर्ष पूरे करने की तैयारी कर रहा था। लू कोलर अपनी दमदार आवाज, ऊर्जावान स्टेज परफहर्मेंस और जोशीले अंदाज के लिए दुनियाभर में मशहूर थे। उनके गीतों ने लाखों प्रशंसकों के दिलों में खास जगह बनाई।

फैंस और कलाकारों ने दी श्रद्धांजलि

लू कोलर के निधन के बाद दुनिया भर से उनके प्रशंसकों, साथी कलाकारों और रॉक म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर उनके पुराने गाने, कॉन्सर्ट की यादें और भावुक संदेश साझा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा रही है। उनके निधन को रहक संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।